जिले के साइंस टीचरों को प्रयोग करने के साथ एक पेपर मिल भी दिखा कर दिया उदाहरण

बीआईएस ने अध्यापकों के लिए लगाई दो दिवसीय वर्कशॉप

भास्कर न्यूज | नवांशहर

बीआईएस की चंडीगढ़ शाखा के सदस्यों ने साइंस टीचरों के लिए 'मानकों के माध्यम से विज्ञान सीखना' विषय पर दो दिवसीय वर्कशॉप लगाई। इसमें उपजिला शिक्षा अधिकारी अमरजीत खटकड़ मुख्य अतिथि रहे, जबकि इस वर्कशॉप में 55 साइंस टीचर भी शामिल हुए। कार्यक्रम में विशाल तोमर (डायरेक्टर चंडीगढ़ शाखा दफ्तर) और सतनाम सिंह (जिला विज्ञान को-ऑर्डिनेटर), संयुक्त डायरेक्टर अभिषेक कुमार ने प्रतिभागियों को स्कूली छात्रों के बीच मानकीकरण और गुणवत्ता की धारणा को विकसित करने के लिए

टीचरों के लिए बीआईएस द्वारा आयोजित वर्कशॉप में भाग लेते हुए।

की जा रही पहल से अवगत कराया। अभिषेक ने बताया कि वह युवा पीढ़ी के बीच गुणवत्ता जागरूकता पैदा करे और देश में एक गुणवत्ता इको सिस्टम विकसित करने में एक मील पत्थर साबित होगा। अभिषेक कुमार ने गुणवत्ता और मानकीकरण की अवधारणाओं, मानकीकरण, विज्ञान और मानकों आदि के लाभ की जानकारी को उदाहरण देकर दैनिक जीवन प्रति समझाया। उन्होंने कुछ नए मानकों जैसे व्यावहारिक जीवन में उपयोग होने वाले मानक और खिलौनों के मानकों की जानकारी दी। उन्होंने बीआईएस की विभिन्न गतिविधियों जैसे मानकीकरण, अनुरूपता मूल्यांकन, गोल्ड हॉल मार्किंग योजना आदि पर एक प्रैजंटेशन दी।

उन्होंने बीआईएस वेबसाइटों और बीआईएस केयर एप के बारे में बताया। दूसरे सैशन में उप निदेशक सौरभ वर्मा ने प्रतिभागियों को आयरन और गैस स्टोव का उदाहरण देते हुए मानकों को विज्ञान विषयों के साथ जोड़ने में परामर्शदाताओं की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने प्रतिभागियों को मानकों के साथ विज्ञान सीखने का विचार देने के लिए विभिन्न पाठ योजनाओं को प्रदर्शित भी किया। दूसरे दिन प्रतिभागियों को औद्योगिक प्रदर्शन के लिए श्रेयांस पेपर इंडस्ट्री ले जाया गया। नीरज मेहता ने प्रतिभागियों को प्लाईवुड निर्माण से संबंधित विभिन्न विनिर्माण और परीक्षण प्रक्रियाओं से परिचित कराया तथा पेपरों की जांच की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। प्रतिभागियों को पाठ योजना तैयार करने के लिए अलग-अलग विषय दिए गए, जिन पर बाद में समापन सेशन में एक प्रस्तुति के साथ चर्चा की। सभी स्कूल परामर्शदाताओं को 52 पाठ योजनाओं का एक सेट वितरित किया गया। सतनाम सिंह ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग इस कार्यक्रम को पूरी तत्परता से स्कूलों में लागू करेगा। अंत में, बीआईएस प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों की फीडबैक के साथ समाप्त हुआ है।

जिले के साइंस टीचरों को प्रयोग करने के साथ एक पेपर मिल भी दिखा कर दिया उदाहरण

बीआईएस ने अध्यापकों के लिए लगाई दो दिवसीय वर्कशॉप

भास्कर न्यूज | नवांशहर

बीआईएस की चंडीगढ़ शाखा के सदस्यों ने साइंस टीचरों के लिए 'मानकों के माध्यम से विज्ञान सीखना' विषय पर दो दिवसीय वर्कशॉप लगाई। इसमें उपजिला शिक्षा अधिकारी अमरजीत खटकड़ मुख्य अतिथि रहे, जबकि इस वर्कशॉप में 55 साइंस टीचर भी शामिल हुए। कार्यक्रम में विशाल तोमर (डायरेक्टर चंडीगढ़ शाखा दफ्तर) और सतनाम सिंह (जिला विज्ञान को-ऑर्डिनेटर), संयुक्त डायरेक्टर अभिषेक कुमार ने प्रतिभागियों को स्कूली छात्रों के बीच मानकीकरण और गुणवत्ता की धारणा को विकसित करने के लिए

टीचरों के लिए बीआईएस द्वारा आयोजित वर्कशॉप में भाग लेते हुए।

की जा रही पहल से अवगत कराया। अभिषेक ने बताया कि वह युवा पीढ़ी के बीच गुणवत्ता जागरूकता पैदा करे और देश में एक गुणवत्ता इको सिस्टम विकसित करने में एक मील पत्थर साबित होगा। अभिषेक कुमार ने गुणवत्ता और मानकीकरण की अवधारणाओं, मानकीकरण, विज्ञान और मानकों आदि के लाभ की जानकारी को उदाहरण देकर दैनिक जीवन प्रति समझाया। उन्होंने कुछ नए मानकों जैसे व्यावहारिक जीवन में उपयोग होने वाले मानक और खिलौनों के मानकों की जानकारी दी। उन्होंने बीआईएस की विभिन्न गतिविधियों जैसे मानकीकरण, अनुरूपता मूल्यांकन, गोल्ड हॉल मार्किंग योजना आदि पर एक प्रैजंटेशन दी।

उन्होंने बीआईएस वेबसाइटों और बीआईएस केयर एप के बारे में बताया। दूसरे सैशन में उप निदेशक सौरभ वर्मा ने प्रतिभागियों को आयरन और गैस स्टोव का उदाहरण देते हुए मानकों को विज्ञान विषयों के साथ जोड़ने में परामर्शदाताओं की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने प्रतिभागियों को मानकों के साथ विज्ञान सीखने का विचार देने के लिए विभिन्न पाठ योजनाओं को प्रदर्शित भी किया। दूसरे दिन प्रतिभागियों को औद्योगिक प्रदर्शन के लिए श्रेयांस पेपर इंडस्ट्री ले जाया गया। नीरज मेहता ने प्रतिभागियों को प्लाईवुड निर्माण से संबंधित विभिन्न विनिर्माण और परीक्षण प्रक्रियाओं से परिचित कराया तथा पेपरों की जांच की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। प्रतिभागियों को पाठ योजना तैयार करने के लिए अलग-अलग विषय दिए गए, जिन पर बाद में समापन सेशन में एक प्रस्तुति के साथ चर्चा की। सभी स्कूल परामर्शदाताओं को 52 पाठ योजनाओं का एक सेट वितरित किया गया। सतनाम सिंह ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग इस कार्यक्रम को पूरी तत्परता से स्कूलों में लागू करेगा। अंत में, बीआईएस प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों की फीडबैक के साथ समाप्त हुआ है।

ਬੀ.ਆਈ.ਐਸ ਵਲੋਂ ਸ਼ਹੀਦ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਨਗਰ ਦੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਲਈ ਦੋ ਰੋਜ਼ਾ ਵਰਕਸ਼ਾਪ

ਨਵਾਂਸ਼ਹਿਰ, 8 ਦਸੰਬਰ (ਜਸਬੀਰ ਸਿੰਘ ਨੂਰਪੁਰ, ਦੀਦਾਰ ਸਿੰਘ ਸ਼ੇਤਰਾ) - ਬੀ.ਆਈ.ਐਸ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਬ੍ਰਾਂਚ ਦਫ਼ਤਰ ਵੱਲੋਂ 'ਮਾਨਕਾਂ ਰਾਹੀਂ ਵਿਗਿਆਨ ਸਿੱਖਣਾ' ਵਿਸ਼ੇ 'ਤੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸ਼ਹੀਦ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਨਗਰ ਦੇ ਸਾਇੰਸ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਲਈ ਦੋ ਰੋਜ਼ਾ ਸਿਖਲਾਈ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਲਗਾਈ ਗਈ। ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ 'ਚ ਕੁੱਲ 55 ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੇ ਭਾਗ ਲਿਆ ਜਦਕਿ ਉੱਪ-ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿੱਖਿਆ ਅਫ਼ਸਰ ਅਮਰਜੀਤ ਖਟਕੜ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਵਜੋਂ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ। ਇਹ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਵਿਸ਼ਾਲ ਤੋਮਰ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਬ੍ਰਾਂਚ ਦਫ਼ਤਰ ਅਤੇ ਸਤਨਾਮ ਸਿੰਘ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਾਇੰਸ ਕੋਆਰਡੀਨੇਟਰ ਐਸ.ਬੀ.ਐਸ.ਨਗਰ ਦੀ ਦੇਖ-ਰੇਖ ਹੇਠ ਸਫ਼ਲਤਾ ਪੂਰਵਕ ਨੇਪਰੇ ਚੜ੍ਹਿਆ। ਅਭਿਸ਼ੇਕ ਕੁਮਾਰ ਸੰਯੁਕਤ ਨਿਰਦੇਸ਼ਕ ਨੇ ਭਾਗੀਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਸਕੂਲੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ 'ਚ ਮਾਨਕੀਕਰਨ ਅਤੇ ਗੁਣਵੱਤਾ ਦੀ ਧਾਰਨਾ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਲਈ ਕੀਤੀਆਂ ਪਹਿਲਕਦਮੀਆਂ ਬਾਰੇ ਜਾਗਰੂਕ ਕੀਤਾ। ਇਹ ਨੌਜਵਾਨ ਪੀੜ੍ਹੀ 'ਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਪ੍ਰਤੀ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ 'ਚ ਇਕ ਗੁਣਵੱਤਾ ਈਕੋ-ਸਿਸਟਮ ਵਿਕਸਤ ਕਰਨ 'ਚ ਇਕ ਮੀਲ ਪੱਥਰ ਸਾਬਤ ਹੋਵੇਗਾ। ਅਭਿਸ਼ੇਕ ਕੁਮਾਰ ਨੇ ਗੁਣਵੱਤਾ ਅਤੇ ਮਾਨਕੀਕਰਨ ਦੇ ਸੰਕਲਪਾਂ ਅਤੇ ਮਾਨਕੀਕਰਨ, ਵਿਗਿਆਨ ਅਤੇ ਮਿਆਰ ਆਦਿ ਦੇ ਫਾਇਦਿਆਂ ਬਾਰੇ ਵਿਸਥਾਰਪੂਰਵਕ ਦੱਸਿਆ। ਦੂਜੇ ਅੱਧ 'ਚ ਸੌਰਭ ਵਰਮਾ ਡਿਪਟੀ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਨੇ ਆਇਰਨ ਐਂਡ ਗੈਸ ਸਟੇਵ ਦੀ ਉਦਾਹਰਨ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ ਵਿਗਿਆਨ ਵਿਸ਼ਿਆਂ ਨਾਲ ਮਿਆਰਾਂ ਨੂੰ ਜੋੜਨ 'ਚ ਸਲਾਹਕਾਰਾਂ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ ਬਾਰੇ ਭਾਗੀਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਚਾਨਣਾ ਪਾਇਆ। ਦੂਜੇ ਦਿਨ ਭਾਗੀਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਸਨਅਤੀ ਐਕਸਪੋਜ਼ਰ ਲਈ ਸ਼ੂਆਂਸ ਪੇਪਰ ਇੰਡਸਟਰੀ ਵਿਖੇ ਲਿਜਾਇਆ ਗਿਆ। ਨੀਰਜ ਮਹਿਤਾ ਨੇ ਭਾਗ ਲੈਣ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਸਵਾਗਤ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਪਲਾਈਵੁੱਡ ਮੈਨੂਫੈਕਚਰਿੰਗ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਨਿਰਮਾਣ ਅਤੇ ਟੈਸਟਿੰਗ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆਵਾਂ ਨਾਲ ਜਾਣੂੰ ਕਰਵਾਇਆ। ਭਾਗੀਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਪਾਠ ਯੋਜਨਾ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲਈ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਿਸ਼ੇ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਸਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ 'ਤੇ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਸਮਾਪਤੀ ਸੈਸ਼ਨ 'ਚ ਪੇਸ਼ਕਾਰੀ ਦੇ ਨਾਲ ਚਰਚਾ ਕੀਤੀ ਗਈ। 52 ਪਾਠ ਯੋਜਨਾ ਦਾ ਇਕ ਸੈੱਟ ਸਾਰੇ ਸਕੂਲਾਂ ਦੇ ਸਲਾਹਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਵੰਡਿਆ ਗਿਆ। ਸਤਨਾਮ ਸਿੰਘ ਵੱਲੋਂ ਵਿਕਸਿਤ ਕੁਮਾਰ ਦਾ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਕੂਲ ਸਿੱਖਿਆ ਵਿਭਾਗ ਐਸ. ਬੀ. ਐਸ ਨਗਰ ਪੂਰੀ ਤਨਦੇਹੀ ਨਾਲ ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਨੂੰ ਸਕੂਲਾਂ 'ਚ ਲਾਗੂ ਕਰੇਗਾ।

ਬੀ.ਆਈ.ਐਸ ਵਲੋਂ ਸ਼ਹੀਦ ਭਗਤ ਸਿੰਘ ਨਗਰ ਦੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਲਈ ਲਗਾਈ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੇ ਦ੍ਰਿਸ਼।

ਗੁਰਦੁਆਰਾ ਸਿੰਘ
ਅਸ਼ੋਕ ਕਟਾਰੀਆ,

ਪਿੰਡ ਭਾਰ
ਵ

ਮਜਾਰੀ/ਸਾਹਿ
(ਨਿਰਮਲਜੀਤ ਸਿੰ
ਭਾਰਾਪੁਰ ਦੀ ਨਵੀਂ
ਵਲੋਂ ਗੁਰਦੁਆਰਾ
ਸ਼ੁਕਰਾਨੇ ਵਜੋਂ ਸ੍ਰੀ
ਪਾਠ ਦੇ ਭੋਗ ਪਾਏ
ਗੁਰਚਰਨ ਸਿੰਘ
ਕੀਰਤਨ ਕੀਤਾ
ਬੁਲਾਰਿਆਂ ਨੇ
ਵਧਾਈ ਦਿੱਤੀ।
'ਤੇ ਪਹੁੰਚੇ ਅਸ਼ੋ
ਵਿਧਾਇਕਾ ਸੰਤੋ
ਗੁਰਦਆਰਾ ਪ੍ਰਬੰ
ਚਣੀ ਪੰਚਾਇਤ

schedule announced by the the polling station itself, after kept at reserve.

Two day workshop organised by BIS for Teachers of SBS Nagar

CHET RAM RATTAN
NAWANSHAHR, DEC 8

A two day training conducted for mentors and science teachers for the topic " Learning Science via standards." organized by BIS, Chandigarh Branch Office at Hotel Continent SBS Nagar . A total 55 Teachers Participated in the Programme. The Chief Guest of the Programme is Amarjit Khatkad Dy. District Education Officer & Sh. Satnam Singh District Science Coordinator SBS Nagar. The program is successfully conducted under the guidance of Sh Vishal Tomer, Director and Head Chandigarh Branch Office. Sh. Abhishek Kumar Joint Director sensitize the participants about initiatives taken to inculcate the concept of standardization and quality among school students. This will prove to be a milestone in developing quality awareness among the young generation and a quality ECO-System in the country. Sh. Abhishek Kumar elaborated on the concepts of quality and standardization and benefits of standardization, Science and Standards etc. He explained this by giving examples from daily life. He also gave information about the standards used in practical life and some new standards

like the standard of toys. He gave a presentation on the various activities of BIS including ***Standardisation, conformity*** assessment, scheme of hallmarking of gold etc. He also informed about BIS websites and BIS CARE APP. In the second half Sh. Saurabh Verma Deputy Director enlightenment the participants about the role of mentors in correlating standards with science subjects given the example of Iron & Gas stove.

DGP Sanjiv Ka